वार्तालाप नं. – 408, बम्बई–1, ता. – 30.9.07
Disc.CD No.408, dated 30.09.07 at Bombay

समय – 0.01
जिज्ञासु – बाबा, कोई शरीर छोड़ता है। तो उसको श्मशानघाट में ले जाते है अंतिम यात्रा के लिए। तो बोलते है – राम बोलो भाई, राम। राम नाम सत्य है। तो ऐसे क्यों बोलते है?
बाबा – ऐसा इसलिए कि जब जीते जी कोई मरते हैं तो उनकी बुद्धि में क्या बैठ जाता है? कौन सच्चा है? कृष्ण सच्चा है, कृष्ण गीता का भगवान है या राम के द्वारा निराकार राम गीता का भगवान है?
जिज्ञासु – राम।

Time: 0.01
Student: Baba, when someone leaves his body, then he (i.e. the dead body) is taken to the cremation ground for the last journey. Then, people say – Brother, take the name of Ram. The name of Ram is true. Why do they say like this?
Baba: It is said like this because when someone dies while being alive, then what fits into their intellect? Who is true? Is Krishna true, is Krishna the God of the Gita or is the incorporeal Ram through (the corporeal) Ram the God of the Gita?
Student: Ram.

बाबा – तो अंत समय में जब दुनियाँ खलास होती है तो सबकी बुद्धि में बैठता है अंत में एक सच्चा और बाकी सब झूठे। एक माना जो सब मनुष्य आत्माओं का बाप है। आत्माओं का बाप है। वही सच्चा और बाकी सब? सब झूठे हैं। तो राम नाम सत्य है अंत में कहते हैं। अभी सब का अंत आया हुआ है। सब को अंत में मानना पड़े कि राम ही सच्चा है। जिसके लिए कहते हैं – घट–घट रमते राम रमईया। तो मन, बुद्धि में रमण करते हैं या प्रवेश होकर रमण करते हैं? मन बुद्धि में रमण करते हैं।

Baba: So, in the end, when the world is destroyed it fits in everybody's intellect in the end that 'one' is true and the rest are false. 'One' means the Father of all the human souls. He is the Father of the souls. He alone is true and what about the rest? All are false. So, they say in the end that the name of Ram is true. Now the end of everyone has arrived. Everyone will have to accept in the end that Ram alone is true, for whom it is said – *ghat-ghat ramtey Ram Ramaiyya* (Ram wanders everywhere, i.e. he is omnipresent). So, does He wander in the mind and intellect or does he wander by entering (in everyone)? He wanders in the mind and intellect.

समय – 02.10
जिज्ञासु – जो कम कला के नारायण है, कम जन्म लेने वाले। जो साड़े चार लाख में नहीं आते हैं। तो उनको नारायण का टाईटल कैसे मिलता है?
बाबा – सिर्फ टाईटल मिलने से काम हो जाता है? टाईटल लेना अच्छा या ओरिजिनल बनना अच्छा?
जिज्ञासु – ओरिजिनल बनना।

Time: 02.10
Student: Those who are Narayans with lesser celestial degrees, who take fewer births, those who are not included in the four and a half lakhs. So, how do they receive the title of Narayan?
Baba: Is the task accomplished just by receiving the title? Is it good to receive a title or is it better to become an original one?
Student: To become an original one.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा – आज के राजाएँ होते हैं। उनको टाईटल महाराजा का मिल गया। राजा तो नहीं बने, महाराजा बने तो नहीं? तो ये तो घाटे का सौदा हो गया। भक्तिमार्ग में उनकी पूजा होती है? सात नारायणों के मंदिर बनते हैं? मूर्तियाँ बनती हैं? नहीं बनती हैं। क्यों नहीं बनती? क्योंकि वो बाप की ग्लानी करने के निमित्त बन गए। इसलिए सदगुरू निंदक ठौर न पावे। यहाँ भी नई दुनियाँ में ठौर नहीं पाते हैं जो 16 कला सम्पूर्ण दुनियाँ है बाप की बनाई हुई। और वहाँ भी मंदिरों में उन सात नारायणों को ठौर नहीं मिलता है।

Baba: There are today's kings. They were given the title of Maharaja. They did not become Raja; they did not become Maharaja, did they? So, this is a bad deal. Are they worshipped in the path of worship? Are temples built for the seven Narayans? Are their idols prepared? They are not prepared. Why they are not prepared? It is because they became instrumental in causing the Father's defamation. That is why those who cause defamation of the Satguru cannot find accommodation.Even here, they do not get accommodation in the new world, the world established by the Father and complete in 16 celestial degrees. And even there those seven Narayans do not get accommodation in the temples.

जिज्ञासु – बाबा, वो तो सदगुरू निंदक हैं फिर भी उनको नारायण का टाईटल कैसे मिलता है?
बाबा – नारायण का मतलब होता है नार माना ज्ञान जल और अयण माना घर। सब में एक जैसा ज्ञान होगा क्या? एक जैसा ज्ञान तो हो न सके। अपने–अपने ग्रुप में वो जास्ती ज्ञानवान है। जैसे इस्लाम धर्म का निमित्त जो नारायण है। इस्लाम धर्म वाली संख्या कितनी कोटों में हैं; परंतु उनमें सबसे जास्ती ज्ञानी कौन है? इस्लाम धर्म का जो दूसरा नारायण होगा वो अपने ग्रुप में सबसे जास्ती ज्ञानी है। ऐसे ही सभी नारायण हैं। जितना–जितना उच्च कोटि का नारायण बनता है उतना जास्ती ज्ञानी होता है; लेकिन अपने ग्रुप में। औरों के हिसाब से ये टैली किया जाता है। एक होता है गधेड़ों का सम्प्रदाय, एक होता है शेरों का सम्प्रदाय। कौनसे सम्प्रदाय का राजा बनना अच्छा और कौनसे सम्प्रदाय का बच्चा बनना अच्छा? शेरों के सम्प्रदाय का बच्चा भी बनना अच्छा। और शेर जैसा होगा कभी धोका देने वाला नहीं होगा।

Student: Baba, how do they receive the title of Narayan despite the fact that they defame the Satguru?
Baba: Narayan means '*naar*', i.e. water of knowledge and '*ayan*' means house. Will everyone have the same kind of knowledge? They cannot have the same kind of knowledge. They are more knowledgeful in their own groups. For example, the (soul of) Narayan, who is instrumental for Islam; the number of people belonging to Islam is in crores, but who is most knowledgeful among them? The second Narayan (of the Golden Age) pertaining to Islam is most knowledgeful in his group. Similar is the case with all the Narayans. The higher the level of Narayan, the more the level of his knowledge, but it is in his own group. It is tallied with respect to others. One is a community of donkeys. One is a community of lions. It is better to become a king of which community and it is better to become the child of which community? It is better if someone becomes even a child in the community of lions. And he would be like a lion; he will never deceive and go away.

समय – 14.00
जिज्ञासु – बाबा, आजकल जो राम सेतु का विवाद चल रहा है, उसमें आध्यात्मिक रहस्य क्या है?
बाबा – जो राम ने पुल बनाया ये कथा आती है, राम सम्प्रदाय से लेकर रावण सम्प्रदाय तक। वो पुल अभी भ्रष्टाचारी गवरमेन्ट (ने) तोड़ने का फैसला ले लिया है। यही है ना? तो बेहद की ब्राह्मणों की दुनियाँ में भी जो ज्ञान का पुल बंधा हुआ है एडवान्स पार्टी से लेकर के बेसिक

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

नॉलेज तक। पहुँच रहा है की नहीं, ज्ञान? और पत्थर बुद्धि एडवान्स पार्टी के ज्ञान सागर में तैर रहे हैं कि नहीं तैर रहे हैं? तैर रहे हैं। उस बने हुए पुल को रावण, जिसके राज्य में आक्रमण होने वाला है। तो जिसके राज्य में आक्रमण होता है वो पुल को तोड़ देता है या बरक़रार रखता है? तोड़ देता है। वो भी तोड़ना उनका काम है। और जिनके ऊपर आक्रमण हो रहा है, उनका काम है पुल को न तोड़ने देना। माना भक्तिमार्ग में जिनकी राम के ऊपर आस्था है वो बिगड़ जाऐंगे– राम सेतु नहीं तोड़ना चाहिए।

Time: 14.00
Student: Baba, what is the spiritual secret behind the dispute that is going on over the Ram Setu (Adam's bridge) now a days?
Baba: It is mentioned in the story that Ram had built a bridge from the Ram community to the Ravan community. Now the unrighteous Government has taken a decision to demolish that bridge. It is like this, isn't it? So, even in the unlimited world of Brahmins, the bridge of knowledge that is built from the advance party to the basic knowledge; the knowledge is reaching (from one end to the other end) or not? And are those with a stone-like intellect in the Advance party floating on the ocean of knowledge or not? They are floating. Ravan, whose kingdom is going to be attacked, (is going to demolish) that bridge. So, does the one, whose kingdom is being attacked, break that bridge or does he leave it intact (*barkaraar*)? He demolishes it. It is his task to break it. And the task of those who are being attacked is to prevent the demolition of the bridge. It means that those who have a faith on Ram in the path of worship will get angry – the Ram setu should not be demolished.

यहाँ ब्राहमणों की दुनियाँ में भी जिन्होंने राम को पहचाना है वो नहीं चाहेंगे कि ये सेतु टूट जाए। ज्ञान रत्नों का पुल टूट जाए। संपर्क बना रहे तो अच्छा है। वो संपर्क तोड़ना चाहेंगे और हम संपर्क जोड़ना चाहेंगे। कनेक्शन में आऐंगे तभी तो विजय पावेंगे। कनेक्शन में ही नहीं आवेंगे तो हम विजय किसके ऊपर पावेंगे और विजय नहीं पावेंगे, तो विश्व विजयी कैसे बनेंगे? सारे विश्व के ऊपर राज्य करने वाले बनना है या छोटे–मोटे राज्य अधिकारी बनना है? वो तो अपनी छोटी–मोटी राजाई बचाकर रखना चाहते हैं। जितने लम्बे टाइम तक बची रहे तो बची रहे। तो क्या करते हैं ? कनेक्शन तोड़ देते हैं। उधर जाओ तो इधर मत आओ, इधर आओ तो उधर मत जाओ।

Even here in the world of Brahmins, those who have recognized Ram will not desire that this bridge should break or that the bridge of gems of knowledge should break. It is better if the contact continues. They will like to break the contact and we will like the contact to be established. We will gain victory only when they come in connection. If they do not come in connection at all, then on whom will we gain victory and if we do not gain victory, then how will we become victorious over the world? Do you want to become a ruler of the entire world or do you want to become a small Royal Officer? They wish to save their small kingship. They wish 'let it be saved as long as possible'. So, what do they do? They break the connection. If you go there, do not come here; if you come here do not go there.

जिज्ञासु – बाबा, लेकिन राम सेतु में अभी जो पत्थर है वो अभी भारी है ना। जल के अंदर डुबे हुए है तो वो अभी भारी है ना और जब हल्के हो जायेंगे तब ऊपर आ जाऐंगे।
बाबा – हल्के हो जाऐंगे? वो स्थूल पत्थरों की बात है कि बंदर बुद्धि मनुष्यों की बात है? पाप का बोझ जब जास्ती बढ़ जाता है तो पत्थर बुद्धि बन जाते हैं। क्या? जितना–जितना ज्ञान बढ़ता जाता है, ईश्वरीय ज्ञान मिलता जाता है तो पुण्य और पाप की गति भी गहरी हो जाती है। लौकिक दुनियाँ में पाप करते हैं तो एक गुना वजन चढ़ता है और अलौकिक दुनियाँ में बाप

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

का बनने के बाद अगर पाप करते हैं तो सौ गुना हजार गुना भी वजन चढ़ता है। तो ज्यादा पत्थर बुद्धि कब बनते हैं? अभी बनते हैं।

Student: Baba, but the stones of the Ram Setu are heavy at present, are they not? If they are immersed in water, they are now heavy, are they not? And when they become light, they will come to the surface.
Baba: Will they become light? Is it about the physical stones or is it about the human beings with a monkey-like intellect? When the burden of sins increases a lot, then they develop a stone-like intellect. What? The more the knowledge increases, when someone goes on receiving Godly knowledge, then the dynamics of charity and sins becomes very deep.When someone commits sins in the lokik world, then one time sin is accumulated and in the alokik world, after becoming a child of the Father if someone commits sins, then one accumulates hundred times, thousand times sins. So, when does someone develop a stone-like intellect? Now.

समय– 18.00
जिज्ञासु – बाबा, बिना प्रूफ, प्रमाण बुद्धिमान लोग मानेंगे नहीं। तो ये बुद्धिमान लोग दुनियाँवाले हैं, बी.के. से हैं या पी.बी.के. से है?
बाबा – सभी जगह है। बुद्धिमानों की बुद्धि कौन है? शिवबाप बुद्धिमानों की बुद्धि है। जो बुद्धिशाली होते हैं वो प्रूफ और प्रमाण काबिज़ रखते हैं या जो बुद्धु होते हैं वो प्रूफ प्रमाण को काबिज़ रखते हैं? जो बुद्धिमान होते है वो हर बात का प्रूफ और प्रमाण काबिज़ रखते हैं। मान लो ट्रेन में सफ़र किया, एरोप्लेन में सफ़र किया। सफ़र करते समय जो टिकट मिली वो टिकट प्रूफ है या नहीं है? प्रूफ है। बुद्धिशाली होंगे तो टिकट का प्रूफ संभाल के रखेंगे। क्यों? आज की दुनियाँ में पता नहीं कब किसके ऊपर क्या आफत आ जाए। कौनसा झूठा केस लग जाए। तो टिकट होगा तो कोर्ट में दिखाऐंगे कि देखो हम तो यहाँ सफ़र कर रहे थे। हमने कहाँ से इनकी हत्या कर दी?

Time: 18.00
Student: Baba, intelligent persons will not believe without proof. So are these intelligent people from the outside world or from among the BKs or from among the PBKs?
Baba: They are everywhere. Who has the highest intellect among all the intelligent ones? Shivbaba has the highest intellect among all the intelligent ones. Do those who are intelligent keep proofs or do the fools keep proofs? Those who are intelligent keep proofs of every matter. Suppose someone travelled by a train or by aeroplane. Is the ticket that one received while travelling a proof or not? It is a proof. If they are intelligent, they will carefully keep the proof of tickets. Why? In today's world one does not know when someone may get into a crisis, when someone may have to face a false case. So, if the ticket is available, then they will show it in the court that look I was travelling here. How did I kill him?

जिज्ञासु – झूठा टिकट भी तो बनवाते हैं।
बाबा – तो वो सौ गुना बोझ और चढ़ता है।

Student: They also get false tickets prepared.
Baba: So, that attracts hundred times more burden (of sins).

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info